Regarding Art Culture in Himachal Pradesh

सुश्री कंगना रनौत **(**मंडी**) :** माननीय अध्यक्ष महोदय जी, मैं अपनी तरफ से और मंडी की जनता की तरफ से आपका हार्दिक अभिनन्दन करती हूँ, आपका आभार व्यक्त करती हूँ कि आपने आज पहली बार मुझे मंडी संसदीय क्षेत्र के विषय में बोलने का मौका दिया ।

हमारे मंडी संसदीय क्षेत्र में बहुत-सी ऐसी कला शैलियाँ हैं, जो विलुप्त हो रही हैं । हिमाचल प्रदेश में घर बनाने की एक कला शैली है, जिसे ?काठ कुनी? कहा जाता है । वहाँ भेड़ और याक के ऊनों से विभिन्न प्रकार के वस्त्र बनाये जाते हैं, जैसे जैकेट्स, टोपियाँ, शॉल, स्वेटर्स आदि, जिनका बाहर के देशों में बहुत मूल्य मिलता है । ये कला शैलियाँ हमारे यहाँ पूरी तरह से एक्सटिंक्ट हो रही हैं । इनको बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

इसके साथ ही, मैं यह भी कहना चाहूँगी कि हिमाचल प्रदेश का जो संगीत है, खास करके स्पीति, किन्नौर और भरमौर के क्षेत्र में पाए जाने वाले ट्राइबल्स के कपड़े, उनके फॉक आर्ट फॉर्म्स हैं, वे भी विलुप्त होते जा रहे हैं । इन सभी के विषय में क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

धन्यवाद ।